ASSOCHAM IN THE NEWS

The Asian Age

20 August, 2018

Assocham says Kerala witnessing worst-ever floods since 1924, phase of natural fury quite prolonged

'Floods may cause damage of ₹20,000cr'

AGE CORRESPONDENT
NEW DELHI, AUG. 19

Kerala floods could cause damage of upto ₹20,000 crore, said industry chamber Assocham on Sunday.

"In the state's ₹8 lakh crore gross domestic product, tourism and agriculture, mostly rice, pepper, cardamom, cashew, tea, coffee, coconut, contribute about 10 per cent each. Then, the internal and external trade contribute a lot. The external trade not only comprises exports of cash crops and other industrial goods and services from Kerala, but also commercial activities from ports like Kochi and three international ports from the state. At this point of time, all these components of the state GDP are in a state of total chaos and destruction," it said.

Assocham said that Kerala which is among the states receiving maximum of remittances from the non-resident Indians, particularly in the Gulf, would look up to its people abroad to raise their level of remittances to support families, though it may not be enough.

It said, Kerala is not only witnessing the worst-ever floods and devastation since 1924, the phase of natural fury has been quite prolonged.

"The prolonged impact not only hampers the relief and rehabilitation, it takes long to re-build even the basic infrastructure like roads, re-erecting of electric poles, broad band cables, clearing the roads in the mountain region of the mud and landslides . Besides re-building of houses would take weeks and months.. As far as the economic impact is concerned, while the official agencies would arrive at their own estimates, it would not be an exaggeration to say that the loss could even be ₹20,000 crore, as things stand today," said Assocham.

According to the official documents like the Economic Survey of the state, in agriculture the cropping pattern is dominated by cash crops constituting 63 per cent of the total cropped area while food crops consisting of rice, tapioca and pulses account for about 10 per cent of the state's farm products, it said.

Same is true about tourism as the state had become a sought after destination for international tourists with several beaches and a wide range of geo-ecology.

Hit hard

▸ In the state's ₹8 lakh crore gross domestic product, tourism and agriculture contribute about 10% each

The external trade not only comprises exports of cash crops and other industrial goods and services, but also commercial activities from ports like Kochi

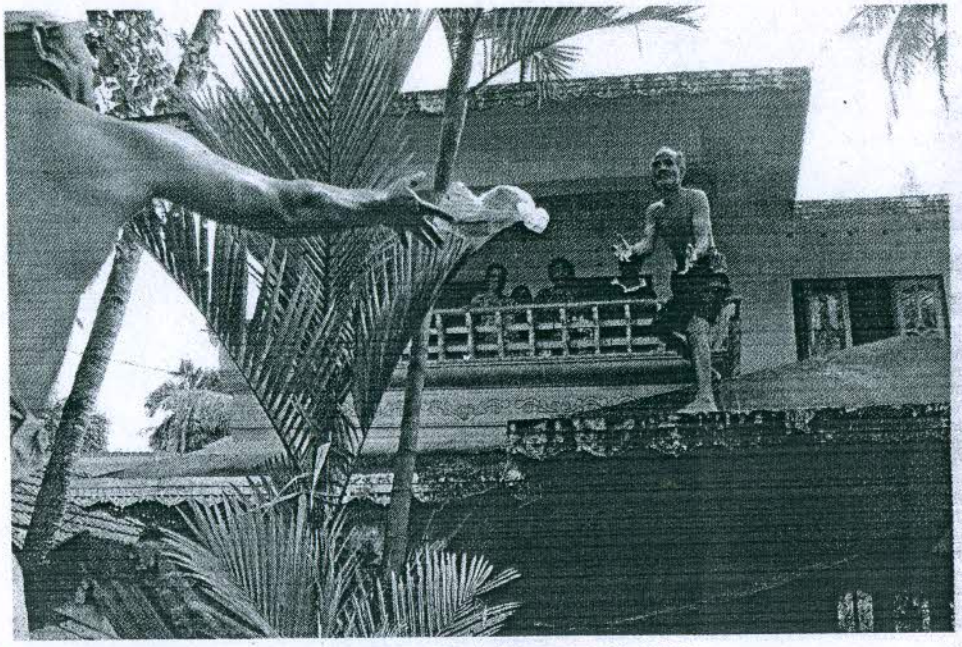

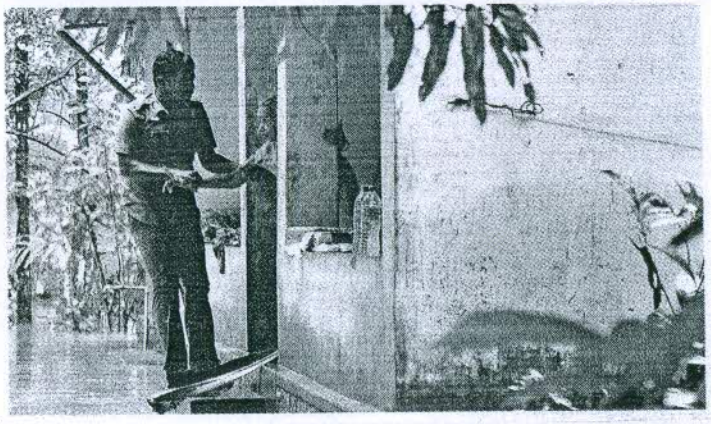

A volunteer (above) throws a pack of bread towards a family stranded in a flooded area in Chengannur, Kerala, on Sunday. Rajagopal, a police constable holds the hand of an 80-year-old woman, Bhavaniyamma (left) in an unsuccessful attempt to persuade her to be taken to a government-run shelter from her partially submerged single-story house in a flooded area in Chengannur. — AP

AI pilots write to PM, offer assistance

New Delhi, Aug. 18: The Indian Commercial Pilots' Association (ICPA) on Sunday wrote to PM Narendra Modi, expressing its willingness to fly planes to Kerala on a "voluntary basis" in the larger interest of the affected people.

"We are willing to fly the planes without payment on voluntary basis to the cause of these operations. We consider this a unique privilege that we can use to assist in such operations," the association said in the letter.

"We have full faith that Sir you will surely turn your attention to the plight of Air India and Air Indians once calm is restored," the letter stated.

The association's letter to the prime minister comes a day after the pilots threatened to stop operations if their flying allowance dues were not paid immediately.

"ICPA pilots on the Airbus 320 and Boeing 787 in Air India are committed to the cause of OPERATION MADAD & OPERATION SAHYOG. We will support the government and the PMO in the endeavour to help our fellow citizens," the letter said. — PTI

Rajasthan Patrika 20 August, 2018

एसोचैम चाय-कॉफी, मसालों की खेती चौपट

केरल में बाढ़ से 20,000 करोड़ से ज्यादा नुकसान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. केरल में आई भयंकर बाढ़ से राज्य की अर्थव्यवस्था को तगड़ा झटका लगा है। उद्योग संस्था एसोचैम की रिपोर्ट के मुताबिक बाढ़ से हुआ आर्थिक नुकसान 20,000 करोड़ के पार जा सकता है। खेती, उद्योग, कारोबार और पर्यटन सभी क्षेत्रों के ठप पड़ने के चलते अगले कई महीनों तक इसका प्रभाव देखा जाएगा।

रिपोर्ट में बताया गया है कि केरल में भारी बारिश और बाढ़ की वजह से चाय, कॉफी जैसी नकदी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रदेश में

रबड़ की खेती होती है और भारी बारिश से यहां रबड़ की पैदावार करीब 20 फीसदी घटने की आशंका है। मसालों में इलायची और काली मिर्च की फसल को भी भारी नुकसान की आशंका है।इसके साथ ही केरल के कोच्ची और अन्य बंदरगाहों से होने वाला अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी प्रभावित हुआ है।

Rashtriya Sahara

20 August, 2018

केरल में बाढ़ से ₹20,000 करोड़ का नुकसान

■ नई दिल्ली (वार्ता)।

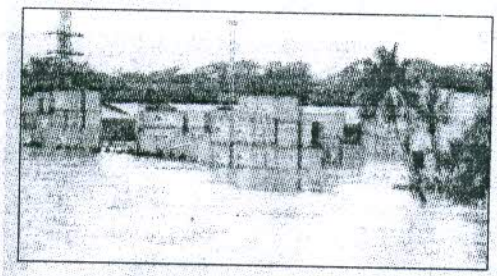

■ एसोचैम ने अपने सदस्यों से खुलकर मदद का किया आह्वान

■ राज्य में चावल, काली मिर्च, काजू और इलायची की फसल तबाह

■ बंदरगाह की गतिविधियां प्रभावित होने से भी हुआ है भारी नुकसान

■ हवाई अड्डे बंद होने से पर्यटन उद्योग को भी हुआ नुकसान

उद्योग संगठन एसोचैम ने अपने सदस्यों से केरल में आई प्राकृतिक आपदा में खुलकर मदद करने की अपील करते हुए कहा है कि वहां आई भयंकर बाढ़ से न सिर्फ 15 से 20 हजार करोड़ रुपए की तात्कालिक आर्थिक क्षति हुई है बल्कि इसका प्रभाव अगले कुछ माह तक पर्यटन, खेती और व्यापार पर रहेगा।

संगठन के मुताबिक केरल की बाढ़ ने लाखों लोगों की जिंदगी को प्रभावित किया है। इससे नगदी फसल और कोच्चि तथा अन्य बंदरगाहों के जरिये होने वाले अंतरराष्ट्रीय व्यापार को भी क्षति हुई है। राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के आठ लाख करोड़ रुपए में पर्यटन के साथ ही कृषि का भी 10-10 फीसद योगदान है। केरल में मुख्य रूप से चावल, काली मिर्च, इलायची, काजू, चाय, कॉफी और नारियल का उत्पादन होता है। इसके अलावा आंतरिक और विदेशी व्यापार का भी इसमें काफी योगदान होता है। विदेशी व्यापार में नगदी फसलों और अन्य औद्योगिक उत्पादों तथा सेवाओं का निर्यात शामिल है। इसके अलावा कोच्चि तथा अन्य तीन अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों की गतिविधियां भी विदेशी व्यापार के तहत आती है। बाढ़ से पूरी अर्थव्यवस्था चरमरा गई है।

संगठन के महासचिव डीएस रावत ने कहा कि केरल में 1924 के बाद ऐसी प्रलंयकारी बाढ़ आई है। अगर इस बाढ़ का प्रभाव लंबे समय रहा तो न सिर्फ राहत कार्यों में बाधा आएगी बल्कि इससे सड़क तथा अन्य आधारभूत ढांचों के निर्माण में भी देर होगी। एसोचैम ने आर्थिक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए बताया है कि केरल की कुल कृषि भूमि में 63 फीसद भूमि पर नगदी फसल उगाई जाती है।

पर्यटन का हाल भी ऐसा ही है। केरल विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय रहा है लेकिन हवाई अड्डा बंद होने से पर्यटन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

Naya India

20 August, 2018

केरल में करीब 20,000 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली ■ वार्ता

उद्योग संगठन एसोचैम ने अपने सदस्यों से केरल में आयी प्राकृतिक आपदा में खुलकर मदद करने की अपील करते हुये कहा है कि वहां आयी भयंकर बाढ़ से न सिर्फ 15 से 20 हजार करोड़ रुपये की तात्कालिक आर्थिक क्षति हुई है बल्कि इसका प्रभाव अगले कुछ माह तक पर्यटन, खेती और व्यापार पर रहेगा। संगठन के मुताबिक केरल की बाढ़ ने लाखों लोगों की जिंदगी को प्रभावित किया है। इससे नगदी फसल और कोच्चि तथा अन्य बंदरगाहों के जरिये होने वाले अंतरराष्ट्रीय व्यापार को भी क्षति हुई है।

राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के आठ लाख करोड़ रुपये में पर्यटन के साथ ही कृषि का भी 10-10 फीसदी योगदान है। केरल में मुख्य रूप से चावल, काली मिर्च, इलायची, काजू, चाय, कॉफी और नारिसल का उत्पादन होता है। इसके अलावा आंतरिक और विदेशी व्यापार का भी इसमें काफी योगदान होता है। विदेशी व्यापार में नगदी फसलों और अन्य औद्योगिक उत्पादों तथा सेवाओं का निर्यात शामिल है। इसके अलावा कोच्चि तथा अन्य तीन अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों की गतिविधियां भी विदेशी व्यापार के तहत आती हैं। बाढ़ से पूरी अर्थव्यवस्था चर्रमरा गयी है।

संगठन के महासचिव डी एस रावत ने कहा कि परूर्न और नगदी फसल केरल के लिये जीवनदायिनी हैं। जब इन दोनों पर लंबे समय तक कुप्रभाव रहेगा तो इससे लाखों लोगों को जिंदगी में नयी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। हम अपने सदस्यों से अपील करते हैं कि वे राहत कार्य में खुल कर योगदान करें।

संगठन का कहना है कि केरल में 1924 के बाद ऐसी प्रलंयकारी बाढ़ आयी है। अगर इस बाढ़ का प्रभाव लंबे समय रहा तो न सिर्फ राहत कार्यों में बाधा आयेगी बल्कि इससे सड़क तथा अन्य आधारभूत ढांचों के निर्माण में भी देर होगी। एसोचैम ने आर्थिक सर्वेक्षण का हवाला देते हुये बताया है कि केरल की कुल कृषि भूमि में 63 फीसदी भूमि पर नगदी फसल उगायी जाती है। साबूदाना, धान और दलहनों का योगदान करीब 10 प्रतिशत है। नगदी फसल में मुख्यतः नारियल का उत्पादन होता है। कुल कृषि भूमि में 30 प्रतिशत में नारियल, 21.3 प्रतिशत में रबर,3.3 प्रतिशत में काली मिर्च और 3.28 प्रतिशत रकबे में कॉफी का उत्पादन होता है। बाढ़ ने इन सभी फसलों का तबाह कर दिया हैं जिससे किसानों की गहरी आर्थिक क्षति हुई है। पर्यटन का हाल भी ऐसा ही है। केरल विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय रहा है लेकिन हवाईअड्डा बंद होने और इसके अगले एक-दो सप्ताह में खुलने की संभावना से पर्यटन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है।